- सरकार पर जनता की कमान
- विकेन्द्रिकरण, सहकारिता, पारदर्शिता, व सुशासन बने देश की पहचान
- बाजारूपन, अश्लीलता व नशे की रोकथाम
- भ्रष्टाचार, कालेधन पर लगाम
- हर युवा को काम, नारी को सम्मान

संघर्ष के आठ वर्ष

राष्ट्रीयता का बोध - भारतीयता से ओतप्रोत

मौलिक भारत

राष्ट्र के नवनिर्माण व व्यवस्था परिवर्तन हेतु आन्दोलन
A Movement for the Change in System

- तकनीक में स्वदेशी और विदेश नीति में स्वहित व आत्मसम्मान
- शिक्षा, स्वास्थ्य व न्याय सबको एक समान
- किसान को सही दाम, पर्यावरण-संरक्षण का ध्यान
- ध्यान, योग, अध्यात्म को जीवन में प्रमुख स्थान

मौलिक भारत की दिनांक 13 अप्रेल 2021 नवसम्वत्सर पर आगामी दो वर्षों के लिए नयी कार्यकारणी की घोषणा

परम आदरणीय ,

सादर वंदेमातरम,

आप सभी को मौलिक भारत की ओर से नवसम्वतसर २०७८ की हार्दिक बधाई। यह संस्था के लिए गौरव की बात है कि आप जैसे बोद्धिक रूप से परिपक्व, कर्मयोगी, राष्ट्सेवी व सनातन धर्म व संस्कृति में अगाध विश्वास रखने वाले व्यक्तिव का साथ मिला है। मेरा विश्वास है कि हमारी सामूहिक सोच, शक्ति व कार्य मौलिक भारत के निर्माण को यथाशीघ्र कर पाएँगे।

जैसा कि सूचित किया जा चुका है कि मौलिक भारत की राष्ट्रीय व राज्यों की कार्यकारिणी का कार्यकाल दिनांक 2 फरवरी 2021 को पूर्ण होने के उपरांत स्वतरू ही विघटितः भंग हो गयी थीं व दिनांक 10 फरवरी 2021 को ट्रस्ट के बोर्ड ऑफ ट्रस्टी को भी बोर्ड के संस्थापक के अतिरिक्त अन्य सभी ट्रस्टीगण द्वारा त्यागपत्र देने के कारण भंग कर दिया गया था। संस्था की संशोधित ट्रस्टडीड भी संबंधित विभाग द्वारा 11 मार्च 2021 को जारी कर दो गयी है।संस्था की सदस्यता का अभियान दिनांक 11 मार्च 2021 से प्रारंभ किया जा चुका है जो 60 दिन तक चलेगा।13अप्रेल 2021, वर्ष प्रतिपदा से राष्ट्रीय व राज्यों की नयी कार्यकारिणी अपने गठन के उपरांत कार्य प्रारंभ कर देगी। यधपि कोरोना गाइडलाइन के चलते ओपचारिक बैठक अभी आयोजित नहीं की जाएँगी , पर सोशल मीडिया, ई मेल व बेबिनार के माध्यम से हम अवश्य जुड़े रहेंगे।

संस्था के नव निर्धारित स्वरूप व सूचनाओं का विवरण नीचे दिया गया है व संलग्न है। कृपया अपने पद व प्रस्थिति के अनुरूप संस्था के कार्यो को तीव्र गति से बढ़ाने का प्रयत्न करें। जिन पदाधिकारियों को मोर्चे अथवा प्रान्तों की जिम्मेदारी दी गयी है , उनसे अनुरोध है कि अगले तीस दिनो के भीतर अपनी अगले बर्ष की कार्ययोजना एवं कार्यकारणी का गठन कर विस्तृत सूचना केंद्रीय कार्यालय को दे। किसी भी अस्पष्टता की स्थिति में तुरंत संपर्क करें। दिए गए निर्देशों व योजनाओं के अनुरूप जमीनी कार्यो को बढ़ाबा दे।

मौलिक भारत नयी कार्यकारणी

मौलिक भारत संस्था की स्थापना भारत के मौलिक स्वरूप, सनातन जीवन दर्शन व चिंतन पर निरंतर शोध व उसको मुख्य धारा में लाना, आत्मनिर्भर व सशक्त भारत , व्यवस्था परिवर्तन, व्यापक चुनाव सुधार, लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण , सुशासन, नए नेतृत्व के निर्माण, स्थानीय व पंचायती निकायो के शशक्तिकरण , ग्रामीण विकास व प्रकृति केंद्रित विकास आदि उद्देश्यों की पूर्ति के लिए एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ तमाम तरह के आंदोलनों का संचालन करने के लिए हुई है । बौद्धिक चिंतक समूह व सामाजिक संस्था मौलिक भारत ने आठ वर्ष पूरे कर लिए हैं । पूर्व की घोषणा के अनुसार दिनांक 13 अप्रेल 2021 नवसम्वत्सर को आगामी दो वर्षों के लिए नयी कार्यकारणी की भी घोषणा की जा रही है।आगामी कुछ समय में कुछ और लोगों को विभिन्न पदों पर समाहित किया जा सकता है।

1. राष्ट्रीय संचालन समितिः मौलिक भारत ट्रस्ट के सभी आजीवन ट्रस्टी,सलाहकार न्यासी, विशेष आमंत्रित सदस्य, राष्ट्रीय कार्यकारिणी, प्रांतीय संरक्षक ,संयोजक, अध्यक्ष इस समिति के सदस्य होंगे । संस्था के आपातकालीन निर्णय, अर्थप्रबंधन एवं विस्तार के साथ ही सभी प्रकार के मार्गदर्शन के लिए यह समिति उत्तरदायी होगी।आजीवन ट्रस्टी, राष्ट्रीय, राज्य

Anuj Kumar Agarwal **Sarika Agarwal**

कृते मौलिक भारत (ट्रस्ट)

Sarika

Name of the Founder Trustees Signature

ट्रस्टी

केन्द्रीय कार्यालय

306/ए, 37-38-39, अंसल बिल्डिंग, कॉमर्शियल कॉम्पलैक्स, डॉ मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

वेबसाइट : www.maulikbharat.co.in, E-mail : maulikbharat@gmail.com

सम्पर्क सूत्र : 011-27652829, 9811424443

व जिला कार्यकारिणी , राष्ट्रीय संचालन समिति के सुझावों के अनुरूप संस्था की गतिविधियों का संचालन करेंगे। किसी भी विवाद व अनिश्चय की स्थिति में अंतिम निर्णय आजीवन ट्रस्टीगण का ही होगा।

सलाहकार न्यासी (Advisor Trustee)

संस्था को समसामयिक दृष्टि के अनुरूप लगातार परामर्श देने का कार्य सलाहकार न्यासी करेंगे:

गुरु मीना ॐ,	विनीत नारायण	डा कमल टावरी,
मनमोहन गोयल,	महेंद्र मोदी,	एस के अग्रवाल,
महेश सक्सेना,	रश्मि मल्होत्रा,	शम्मी हरित,
डा उर्वशी मक्कड़,	राजेश चेतन,	अशोक सिंघल,
आशीष सिंघल,	अमित त्यागी,	नजरीन कृष्णामूर्ति,
मृत्युंजय सिंह,	मनोज खंडेलवाल,	पंकज गुप्ता,
अभिनव शंकर,	राम महेश मिश्र,	प्रदीप लोखंडे,
गौरव गुप्ता,	पंकज गोयल,	सीमा गुप्ता,
जितेंद्र तिवारी		

3. विभिन्न संस्थाएँ व व्यक्ति जिनके कार्य मौलिक भारत के उद्देश्यों से मिलते जुलते हैं, उनके प्रमुखों को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल किया गया है ताकि उनकी स्वतंत्र पहचान भी रहे और उनके कार्यों व प्रकाशन को मौलिक भारत सहयोग ,समर्थन व कार्यक्रमों में सहभागिता भी करता रहे –

मिशन वंदेमातरम फाउंडेशन, खुशहाली फाउंडेशन, ब्रज फाउण्डेशन, करियर प्लस एजुकेशनल सोसाइटी, इंडिया स्पीक डेली, सनातन भारत, आँचल न्यास, सोशल संवाद,ओम् पत्रिका, एचएमटीवी, साहित्य टीवी, सभ्यता अध्ययन केंद्र, नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ, स्वस्थ भारत अभियान, साइबर सिपाही, डायलॉग इंडिया, आँचल न्यास, भारतीय धरोहर, उन्नत भारत अभियान

विशेष आमंत्रित सदस्य

उमेश चतुर्वेदी,	डा प्रमोद सेनी,	रविशंकर,
शुभम मंगला,	आशीष मिश्रा,	डा इंदू चौधरी,
भावेश पांडे,	संदीप देव,	नीरज कुशवाहा,
राजीव गर्ग,	मुकेश कुमार,	आशुतोष सिंह,
प्रवीन कुमार,	समीर मोहन,	डा अर्चना पाटिल,
अजय प्रकाश पांडे		

राष्ट्रीय कार्यकारिणी

संचालन समिति के सुझावों व न्यासी मंडल के निर्णयों के क्रियान्वयन व संस्था के उद्देश्यों के अनुरूप संस्था की गतिविधियों को चलाने की जिम्मेदारी राष्ट्रीय कार्यकारिणी राज्य व जिला इकाइयों की मदद से करेगी। राज्य व जिला कार्यकारिणी अपनी राज्य व जिले की आवश्यकताओं के अनुरूप अपने अपने कार्यक्रम बनाकर उनका क्रियान्वयन भी करेंगे।

1. राष्ट्रीय अध्यक्ष – अनुज अग्रवाल (आजीवन ट्रस्टी)
2. राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष – डा कमल टावरी
3 राष्ट्रिय संगठन मंत्री – जितेंद्र तिवारी
4 राष्ट्रीय महासचिव – डा सारिका अग्रवाल (आजीवन ट्रस्टी)
5 राष्ट्रीय सचिव – अनिल गर्ग
6 राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष – श्री पंकज गोयल
7. राष्ट्रीय जनसंपर्क प्रभारी – मधुसूदन अग्रवाल
8. राष्ट्रिय उपाध्यक्ष –
   1. सुश्री सीमा गुप्ता (प्रभारी महिला मोर्चा),
   2. श्री संजय शर्मा(घोटाला खोल एवं प्रशासनिक सुधार),
3. श्रीमती उषा शुक्ला (प्रभारी दिल्ली एनसीआर)
4. डॉ. सुनील मग्गू , (संगठन विस्तार)

Anuj Kumar Agarwal **Sarika Agarwal**

कृते मौलिक भारत (ट्रस्ट)

Name of the Founder Trustees Signature

ट्रस्टी

केन्द्रीय कार्यालय

306/ए, 37-38-39, अंसल बिल्डिंग, कॉमर्शियल कॉम्पलैक्स, डॉ मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

वेबसाइट : www.maulikbharat.co.in, E-mail : maulikbharat@gmail.com

सम्पर्क सूत्र : 011-27652829, 9811424443

5. श्रीमती अनु सिन्हा (सांस्कृतिक मामले)
9. राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी – गोपाल प्रसाद
10. कानून एवं विधि सलाहकार–
    उमेश शर्मा
    राजीव रंजन
    मनोज पांडे
    पंकज जैन
11. मुख्य सलाहकार –
    1. श्री प्रदीप गांधी, पूर्व सांसद(संसदीय मामले)
    2. कर्नल देवेंद्र सेहरावत (प्रशासनिक मामले)
    3. प्रो एस के काक (उच्च शिक्षा)
    4. शेलेंद्र भारत (राजनितिक व कूटनीतिक मामले)
    5. डा अजय सिंह एकल (चुनाव सुधार, संगठन विस्तार)
    6. डॉ ए के सिंह (स्वास्थ्य)
    7. नीरज कुमार (विदेश मामले)
    8. मुकेश शर्मा (कर सुधार)
    9. डा. सूर्यप्रकाश कपूर (वैदिक विज्ञान, तकनीक,पर्यावरण एवं आपदा प्रबंधन)
    10. प्रो सुधीर अत्रे (आधुनिक विज्ञान, तकनीक, पर्यावरण एवं आपदा प्रबंधन)

विभिन्न प्रांतीय कार्यकारिणी

दिल्ली एनसीआर

संरक्षक : कमांडर वीरेंद्र जेटली,

अध्यक्ष : अनिल वर्मा,

महासचिव : प्रताप सिंह चपराना,

कोषाध्यक्ष व जनसंपर्क प्रमुख : वेद शर्मा,

प्रांतीय संगठन मंत्री : विक्रम गोस्वामी,

उपाध्यक्ष (मीडिया व साहित्यिक मामले) : राजकुमार अग्रवाल,

उपाध्यक्ष (सेवा व संस्कृति मामले) : राकेश कुमार

उपाध्यक्ष (आंदोलन व जमीनी संघर्ष) : संजीव अरोरा

उपाध्यक्ष (चुनाव सुधार व सुशासन संबंधी मामले) : जयप्रकाश शर्मा

सचिव (शिक्षा व शहरी मामले) : मनीष गुप्ता,

सचिव (धार्मिक व सांस्कृतिक मामले) : सुशील सिंह,

सचिव (शहरीकृत ग्रामीण विकास मामले) : राजकमल गुप्ता

जनसंपर्क प्रमुख : महेंद सिंह सिकवार,

कानून एवं विधि सलाहकार– संतोष पांडे व रुद्रविक्रम सिंह,

संयोजिका महिला मोर्चा सीमा रावत, मीडिया प्रभारी शशीधर शुक्ला

नोट : प्रांतीय अध्यक्ष से अपेक्षा है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष से अनुमति लेकर एक माह के अंदर राज्यों की कार्यकारिणी में आवश्यक विस्तार करते हुए उनका संचालन प्रारंभ करवा देंगे। जिला इकाइयों का गठन उसके उपरांत करें।

उत्तर प्रदेश

संरक्षक डा एस एन चौहान,

अध्यक्ष : अमित त्यागी,

महासचिव : डा एसपी सिंह,

संयोजिका (महिला मोर्चा व सांस्कृतिक मामले) : सीमा मोदी

उपाध्यक्ष : गौरव अग्रवाल

नोट : प्रांतीय अध्यक्ष से अपेक्षा है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष से अनुमति लेकर एक माह के अंदर राज्यों की कार्यकारिणी में आवश्यक विस्तार करते हुए उनका संचालन प्रारंभ करवा देंगे।जिला इकाइयों का गठन उसके उपरांत करें।

प्रांतीय संयोजक

प्रांतीय संयोजकों से अपेक्षा है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष से अनुमति लेकर एक माह के अंदर राज्यों की कार्यकारिणी का गठन कर उनका संचालन प्रारंभ करवा देंगे। जिला इकाइयों का गठन उसके उपरांत करें।

Anuj Kumar Agarwal **Sarika Agarwal**

कृते मौलिक भारत (ट्रस्ट)

Name of the Founder Trustees Signature

ट्रस्टी

केन्द्रीय कार्यालय

306/ए, 37-38-39, अंसल बिल्डिंग, कॉमर्शियल कॉम्पलैक्स, डॉ मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

वेबसाइट : www.maulikbharat.co.in, E-mail : maulikbharat@gmail.com

सम्पर्क सूत्र : 011-27652829, 9811424443

संघर्ष के आठ वर्ष

- सरकार पर जनता की कमान
- विकेन्द्रिकरण, सहकारिता, पारदर्शिता, व सुशासन बने देश की पहचान
- बाजारुपन, अश्लीलता व नशे की रोकथाम
- भ्रष्टाचार, कालेधन पर लगाम
- हर युवा को काम, नारी को सम्मान

मौलिक भारत

- तकनीक में स्वदेशी और विदेश नीति में स्वहित व आत्मसम्मान
- शिक्षा, स्वास्थ्य व न्याय सबको एक समान
- किसान को सही दाम, पर्यावरण-संरक्षण का ध्यान
- ध्यान, योग, अध्यात्म को जीवन में प्रमुख स्थान

श्रीकांत (तमिलनाडु, पूड्डिचेरी एवं केरल)
श्रीकांत तत्वदर्शी (कर्नाटक, आंध्र व तेलंगाना)
जाधव महरूद्रा (महाराष्ट्र)
विनय जायसवाल, हेमंत शर्मा , सह प्रभारी (गुजरात),
सुशांत कुमार नाग (उड़ीसा)
संदीप पांडे (बिहार)
डा अंजलि थपलियाल (उत्तराखंड)
राजीव गर्ग (पंजाब)
मुनीश राणा (हरियाणा)
रामस्वरूप रावत्सरे(राजस्थान),
अशोक शर्मा (मध्य प्रदेश)
शशांक शर्मा (छत्तीसगढ़)
मनोज खंडेलवाल (,उत्तर पूर्व),
वीना श्रीवास्तव (पश्चमी बंगाल),

संजीव वर्मा (हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर व लद्दाख़)

नोट : जिला कार्यकारणी का सदस्य बनने के लिए 11, राज्य का बनने के लिए 31 एवं राष्ट्रीय का बनने के लिए 51 सदस्यों को संस्था का सदस्य बनाना अपेक्षित होगा। साधारण सदस्य को 100 रूपये प्रतिबर्ष, जिला कार्यकारणी के सदस्य को 1100 रूपये, राज्य कार्यकारणी के सदस्य को 5100 रूपये और राष्ट्रिय कार्यकारणी के सदस्य को 11000 रुपये एवं आजीवन ट्रस्टी को 21000 रूपये प्रतिबर्ष सहयोग राशि देना अपेक्षित है।सलाहकार ट्रस्टी व विशेष आमंत्रित सदस्य अपनी इच्छा के अनुसार सहयोग दे सकते हैं। मौलिक भारत संस्था की सदस्यता का अभियान दिनांक 11 मार्च 2021 से प्रारंभ हो चुका है, है जो 60 दिन तक चलेगा। आप सभी से अनुरोध है कि स्वयं व अन्य राष्ट्सेंवी, समाजसेवी व शुचितापूर्ण कर्तव्यनिष्ठ लोगों को संस्था का सदस्य बनवाए।

मौलिक भारत ऑनलाइन सदस्यता आवेदन व सदस्यता शुल्क भरने का लिंक : Link of online membership form and fee payment of Maulik Bharat:

http://maulikbharat-co-in/membership/

आप सीधे मौलिक भारत के बैंक खाते में भी सदस्यता शुल्कध् दान जमा करा सकते हैं ।

Following are our account details :

Bank : ICICI Bank Ltd.

Account Number : 003105028771

Account Name: Maulik Bharat Trust

Bank Branch: Noida, Sector -18, Mega Branch

IFSC Code : ICIC0000031

विशेषांक : मौलिक भारत के आठ वर्ष उद्देश्य, संघर्ष और उपलब्धियाँ –

http://maulikbharat - coin/wp&content/uploads/2021/03/Eight&year&of&maulik&bharat-pdf

शुभकामनाओं सहित
भवदीय

Anuj Kumar Agarwal **Sarika Agarwal**

कृते मौलिक भारत (ट्रस्ट)

Sarika

दिनांक : **13/04/2021**

Name of the Founder Trustees Signature

ट्रस्टी

केन्द्रीय कार्यालय

306/ए, 37-38-39, अंसल बिल्डिंग, कॉमर्शियल कॉम्पलैक्स, डॉ मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

वेबसाइट : www.maulikbharat.co.in, E-mail : maulikbharat@gmail.com

सम्पर्क सूत्र : 011-27652829, 9811424443

- सरकार पर जनता की कमान
- विकेन्द्रिकरण, सहकारिता, पारदर्शिता, व सुशासन बने देश की पहचान
- बाजारूपन, अश्लीलता व नशे की रोकथाम
- भ्रष्टाचार, कालेधन पर लगाम
- हर युवा को काम, नारी को सम्मान
- तकनीक में स्वदेशी और विदेश नीति में स्वहित व आत्मसम्मान
- शिक्षा, स्वास्थ्य व न्याय सबको एक समान
- किसान को सही दाम, पर्यावरण-संरक्षण का ध्यान
- ध्यान, योग, अध्यात्म को जीवन में प्रमुख स्थान

मौलिक भारत के आठ वर्षों की यात्रा व दस प्रमुख लक्ष्य

प्रिय साथियों,

सादर वंदे

मौलिक भारत की स्थापना के आठ से अधिक वर्षों का समय हो चुका है और इन आठ वर्षों में हमने अनेक सफलताए व आंशिक सफलतायें प्राप्त की है, तो कई लक्ष्यों की प्राप्ति में हम असफ़ल भी रहे हैं। बहुत से लोग जुड़े तो अनेक बिछुड़ भी गए। सब जबकि नयी कार्यसमिति अपना उत्तरदायित्व लेने जा रही है तो आवश्यक है कि उसके सामने संस्था के लक्ष्य स्पष्ट रहें-

अपनी स्थापना के दौर यानि सन 2012-13 से ही मौलिक भारत कुछ स्पष्ट सिद्धांतों के साथ स्थापित किया गया था और उनमें सबसे ऊपर था कि सविधान व लोकतंत्र के दायरे में भारत में व्यवस्था परिवर्तन का कोई भी आंदोलन भारतीयों के द्वारा, भारतीय सोच व भारत तत्व से विकसित व भारतीयों के धन से ही पोषित किया जाएगा। आंदोलनों के उस दौर में मौलिक भारत ने सभी राष्ट्रप्रेमियों व सनातन धर्मी ऊर्जावान लोगों को जोड़कर एक ग़ैर राजनीतिक 'बौद्धिक दबाव समूह' व 'चिंतक समूह' के साथ ही ज़मीनी स्तर पर भी क्रियाशील संगठन के रूप में अपनी पहचान बनायीहै जो आगे भी जारी रहेगी। हम आगे भी सम्मेलन, सेमिनार, कार्यशाला, आंदोलन, धरना, प्रदर्शन, शिकायत, माँगपत्र, ज्ञापन, प्रतिवेदन, सुझाव, मीडिया व सोशल मीडिया केम्पेन, लेख, आरटीआई, पीआईएल, खुलासे व अन्य सभी क़ानून प्रद्त तरीक़ों का प्रयोग अपने कार्यों व लक्ष्यों की प्राप्ति हेतू करते रहेंगे।

मौलिक भारत का प्राथमिक लक्ष्य था और है कि देश में विदेशी धन व सोच से चलने वाले आंदोलनों का भांडा फोड़ना और देसी सोच व आर्थिक श्रोतो से चलने वाले विभिन्न आंदोलनों, संगठनों को एक मंच पर लाना। इस कार्य में हम ख़ासे सफल भी रहे हालाँकि विभिन्न विचारधाराओं को लोगों को साथ लाने से तालमेल में अवश्य दिक्कत हुई। नयी कार्यकारिणी व विस्तार में इस पहलू पर ध्यान दिया गया है।

मौलिक भारत का दूसरा लक्ष्य था व है कि देश कि भारत की वास्तविक समस्याओं को खोजना व उनका वास्तविक व देशपरक समाधान खोजना। इसके लिए हमने निरंतर अध्ययन, मनन व चिंतन और वेचारिक आदान प्रदान द्वारा देश के लिए वेकल्पिक नीतियो का ढाँचा खड़ा किया। इन नीतियो को पूरे देश में सभी राजनीतिक दलों, संगठनों, सरकारों, बुद्धिजीवियों, मीडिया व जनता तक पहुँचाया गया। इसका परिणाम यह निकला कि सन 2014 के चुनावों में हमारी संस्था द्वारा दी गयी वेकल्पिक नीतिया चुनावी चर्चा व वादों के केंद्र में रहीं और अंतत: देश में एल राष्ट्रवादी सरकार चुनी गयी।

मौलिक भारत का तीसरा लक्ष्य था व है कि इस राष्ट्रवादी सरकार के सिद्धांतों व व्यवहार में संस्था द्वारा सुझाए गए नीति पत्र के अनुरूप क़ानूनों का निर्माण व कार्य प्रणाली का विकास। साथ ही देश के सभी राज्यों में भी राष्ट्रवादी व भारत के मौलिक दर्शन चिंतन को मानने वाली सरकारों की स्थापना। इस कार्य में भी आंशिक सफलता मिली है और सबसे बड़ी बात यह हुई है कि अब चुनावों में अल्पसंख्यक तुष्टिकरण के स्थान पर भारत के मौलिक व शाशवत सनातन धर्म व संस्कृति के तत्व मुख्यधारा में आने लगे हैं। सेकूलरपंथी सरकारों व दलों की पोल खोलना, उनके विरुद्ध अभियान चलाना हमारा निरंतर लक्ष्य है। देश में हर प्रकार के चुनावों में राष्ट्रपरक सोच वाले दल ही जीतें यह कोशिश करना।

मौलिक भारत का चौथा लक्ष्य है भारत के मौलिक स्वरूप, जीवन दर्शन व चिंतन पर निरंतर शोध व उसको मुख्य धारा में लाना। इसके साथ ही तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से विभिन्न पंथो व विचारधाराओं के खोखलेपन को सामने लाते हुए भारत के

मौलिक सनातन धर्म, दर्शन और चिंतन की स्वीकार्यता बढ़ाते हुए उसको समाज, राजनीति व सरकार के साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी स्थापित करना।

मौलिक भारत का पाँचवा लक्ष्य है सुशासन यानि राम राज्य की स्थापना व इसके लिए हर स्तर पर नए प्रशिक्षित नेतृत्व को खड़ा करना। भारत और भारतीयता का स्वरूप वेश्विक हो और हर क्षेत्र चाहे व अर्थव्यवस्था हो, विज्ञान, प्राधोगिकी, उद्योग, व्यापार, शिक्षा , मीडिया, मनोरंजन स्वास्थ्य, खेल, कला, संस्कृति, न्याय, पर्यावरण, जीवन दृष्टि सभी में भारत परक दृष्टि का विकास व विस्तार करना व हर घटना की मौलिक भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप समीक्षा करना ताकि समस्त विश्व के मानव समग्र रूप से जीवन को जीते हुए मुक्ति को प्राप्त कर सके। यह तभी संभव है जब व्यक्ति को अपनी मूलभूत आवश्यकताओं रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा स्वास्थ्य व न्याय आदि की निर्बाध पूर्ति हो। इन सभी की निर्बाध पूर्ति के लिए सुशासन की आवश्यकता है और सुशासन के लिए अच्छे नेतृत्व की। इसीलिए चुनाव सुधार हमारी प्राथमिकता हैं। व्यक्ति के शारीरिक, जेविक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास में उत्पन्न होने वाली बाधाओं यथा नशाखोरी, अश्लीलता, ड्रग्स, पोर्न व समलेंगिक संस्कृति, बढ़ती जनसंख्या, अवैध अप्रवासियो के ख़िलाफ़ हम हमेशा रहे है व योग, ध्यान, आयुर्वेद व प्रकृति केंद्रित विकास, समान शिक्षा, समान नागरिक संहिता, धर्मांतरण नियंत्रण के पक्षधर रहे हैं।

मौलिक भारत का छठा लक्ष्य है प्रत्येक जनपद, तहसील, खंड, नगर, पंचायत, वार्ड व ग्राम में मौलिक भारत के चिंतन व दृष्टिकोण के अनुरूप समाज की सोच व जीवन शैली विकसित करना व सभी सरकारी तंत्र व कारपोरेट जगत में सुशासन की स्थापना करवाना व इसके लिए हर स्तर पर अपने संगठन का विस्तार करना। हम बच्चों, युवाओं, महिलाओं व वृद्धों के साथ ही वेज्ञानिक, किसान और जवानो के हितों की रक्षा के लिए अधिक सक्रिय रहेंगे।

मौलिक भारत का सातवाँ लक्ष्य है 'न्यूनतम सरकार- अधिकतम सुशासन' के सरकार के सिद्धांत को व्यवहार में लागू करवाना। सरकारी तंत्र यानि केंद्र, राज्य व जिला प्रशासन सविधान, संसद व विधानसभाओ द्वारा बनाए गए क़ानूनों को प्रत्येक स्तर पर 100% लागू करवाए, भय व भ्रष्टाचार से मुक्त रहे और पूरी कार्यकुशलता से काम करे इस पर मौलिक भारत की सतत नज़र रहेगी। मौलिक भारत केंद्र व राज्य सरकारों के सभी क़ानूनों व आदेशों की समीक्षा व विश्लेषण अपने दर्शन व चिंतन के अनुरूप करता आया है व करता रहेगा और उसके अनुरूप सरकारों को आवश्यक सुझाव देता रहेगा। मौलिक भारत राजसत्ता की सर्वोपरि नहीं मानता बल्कि धर्मसत्ता, समाजसत्ता व अर्थसत्ता के साथ इसके संतुलन व सामंजस्य पर ज़ोर देता है। हम लंबी नीति के तहत विकेंद्रीकरण, स्थानीय निकायो व पंचायतों को अधिक अधिकार व स्वायत्ता दिए जाने, सहकारिता के पक्षधर हैं। मौलिक भारत छोटे राज्यों, व शक्तिशाली केंद्र के साथ ही संसद व विधानसभाओं के विस्तार, इनमे जनता के अधिक प्रतिनिधित्व व सीधे लोकतंत्र का पक्षधर है व पूरे देश में सभी प्रकार के चुनावों को एक साथ कराने का समर्थक है।

मौलिक भारत का आठवाँ लक्ष्य है कि राजनीतिक भर्तियों (संसद, विधानसभाओं, स्थानीय निकायो आदि), सरकारी कर्मचारियों की भर्तियों व निजी क्षेत्र की भर्तियाँ में कोई पक्षपात व भ्रष्टाचार न हो व अधिकतम योग्य व मापदंडों पर खरे लोगों का ईमानदारी से चयन हो। साथ हो समय समय पर अकुशल, अयोग्य व ईमानदारी व क्षमता के अनुरूप कार्य न करने वाले कर्मियों की छँटनी होती रहे ताकि देश में हर स्तर पर सुशासन स्थापित ही सके। इस दिशा में संस्था चुनाव सुधार, आरक्षण प्रणाली की समीक्षा, व निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया की दिशा में आवाज़ उठाती रहेगी।

मौलिक भारत का नवाँ लक्ष्य है केंद्र राज्यों व जिला स्तरों पर सरकारी, अर्ध सरकारी, सार्वजनिक व निजी क्षेत्रों व नगर और पंचायती निकायो की योजना, लक्ष्यों, बजट, खर्च , उपलब्धियों , ख़ामियों व असफलताओ पर नज़र रखना व इनकी सोशल ऑडिटिंग करना। हम सरकार को जनहित में बड़े नीतिगत फ़ैसले लेने की दिशा में कार्य करते रहेंगे। जिस प्रकार नोटबंदी, जीएसटी, नई शिक्षा नीति, स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया से होते हुए अंततः सरकार नया भारत (न्यू इंडिया) ,मेड इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान की ओर बढ़ी है यह हमारे निरंतर प्रयास व दबाबो का परिणाम है। हमारी कोशिश रहेगी कि सरकार इन नीतियो पर और अधिक तेज़ी से आगे बढ़े और भारत पहले एक क्षेत्रीय और अंततः वेश्विक शक्ति के रूप में उभरकर आए। भारत ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था बने व देश में चौथी औद्योगिक क्रांति सफल हो और इसका देश के कोने कोने तक विस्तार हो यह हमारी कोशिश रहेगी।

मौलिक भारत का दसवाँ लक्ष्य है राष्ट्रपरक व मौलिक भारत की विचारधारा के अनुरूप चलने वाले दलो व संगठनों में समय के साथ कोई विकार न आने पाए व वे सतत अपने लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में अग्रसर रहें। इसके लिए हमारी विचारधारा वाले दलों की सकारात्मक आलोचना, उनपर अपनी त्रुटियों को सुधारने का दबाव बनाना व सही दिशा व सही लोगों के साथ आगे बढ़ने के लिए मजबूर करना भी हमारी जिम्मेदारी रहेगी।

आप सभी से अपेक्षा है कि कमर कसकर संगठन के विस्तार व लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए अग्रसर होंगे।

आभार

आपका अपना

अनुज अग्रवाल

संस्थापक एवं अध्यक्ष

केन्द्रीय कार्यालय

306/ए, 37-38-39, अंसल बिल्डिंग, कॉमर्शियल कॉम्पलैक्स, डॉ मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

वेबसाइट : www.maulikbharat.co.in, E-mail : maulikbharat@gmail.com

सम्पर्क सूत्र : 011-27652829, 9811424443